हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, शुक्रवार 9 जनवरी 2026

11 योजनाओं के प्रति किसानों को किया जागरूक

12 नागरिक अस्पताल बेहाल : बाल रोग वार्ड में बंद मिले हीटर

खबर संक्षेप

ट्रक व ट्राले की टक्कर में चालक घायल

खरखौदा। पीपली गांव के पास केएमपी मार्ग पर ट्रक व ट्राले की टक्कर में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। गढ़ी सिसाना निवासी सुमित ने बताया कि उसके मामा के लड़के आशीष का उसके पास फोन आया कि उसका ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया है और वह गंभीर रूप से घायल है। उसे घायल अवस्था में खरखौदा के सरकारी अस्पताल लाया गया है। उसने बताया कि ट्रक चालक दादरी जा रहा था। उसके आगे ट्राला चल रहा था। ट्राला चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। जिससे ट्रक ट्राले से जा टकराया। हादसे के ट्राला चालक वाहन लेकर फरार हो गया। दुर्घटना में उसकी दोनों टांगें टूट गई है। घायल अवस्था में उसे खरखौदा के सरकारी अस्पताल लाया गया। बाद में पीजीआई रोहतक इलाज के लिए रेफर किया गया।

दुकान में कहासुनी के बाद युवक को चाकू घोंपा

गोहाना। खानपुर कलां में दुकान पर हुए विवाद के बाद एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। युवक की शिकायत पर सदर थाना में केस दर्ज किया गया। गांव खानपुर कलां का रविंद्र पेशे से ट्रक चालक है। उसने पुलिस को शिकायत दी कि चार जनवरी वह अपने ट्रक मालिक विकास के साथ बलोरो गाड़ी में गांव में ही प्रवीन की दुकान पर सामान लेने गया था। वहां पहले से विक्की और काला मौजूद थे, जो दुकानदार के साथ झगड़ा कर रहे थे। आरोप है कि इस दौरान विक्की ने चाकू दिखाकर प्रवीन को जान से मारने की धमकी दी। रविंद्र के अनुसार जब उसने और विकास ने उन्हें ऐसा करने से रोका तो दोनों ने उनके साथ गाली-गलौच शुरू कर दी और हाथापाई करने लगे। आसपास के लोगों के हस्तक्षेप से उस समय मामला शांत हो गया, जिसके बाद वह और विकास सामान लेने के लिए दूसरी दुकान पर चले गए। रविंद्र के अनुसार जैसे ही वह गाड़ी से उतरा तो उसी समय विक्की और काला वहां पहुंच गए और अचानक विक्की ने उसके पेट में चाकू मार दिया।

शराब लेकर आ रहे युवकों पर हॉकी व डंडों से हमला

गन्नौर। शराब लेकर लौट रहे दो दोस्तों के साथ पांची जाटान रोड पर हॉकी व डंडों से लैस 5-6 युवकों ने मारपीट कर दी। मारपीट में दोनों दोस्त घायल हो गए। घायल ने मारपीट की शिकायत थाना गन्नौर में दी। शिकायत में पांची जाटान निवासी कृष्ण कुमार 4 जनवरी की रात करीब 12 बजे वह अपने दोस्त दीपक के साथ ओवरब्रिज के नीचे शराब लेने गये थे। शराब लेकर जब वह वापस जाने लगे तो हॉकी व डंडो से लैस 5-6 युवकों ने उनकी बाइक रुकवा ली और उनके साथ मारपीट करने लगे। उन्होंने भाग कर अपनी जान बचाई और डायल 112 पर काल की। जब पुलिस मौके पर आई तो हमलावर वहां से भाग गए।

139 करोड़ खर्चने के बाद भी ड्रेन नंबर छह अधूरी अब नगर निगम ने डाल दिया 'सुंदरता' का 'पर्दा'

मामा भांजा चौक के पास ड्रेन पर ग्रिल पर बनवाई चित्रकारी, 2025 में एक भी ईंट नहीं लगी, अब पर्दों से ढंक रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नगर निगम की ओर से निर्माणाधीन ड्रेन नंबर छह के निर्माण कार्य को अधूरा छोड़ सजावट के नाम पर पर्दे डालने का काम किया जा रहा है। दिल्ली रोड मामा भांजा चौक के पास पुलिया पर ड्रेन के साथ ग्रिल लगाकर सुंदरता के लिए बागवानी की चित्रकारी बनाई गई है। वहीं अधूरे पड़े ड्रेन निर्माण के कार्य को लेकर नगर निगम वर्ष 2025 में एक कदम नहीं चल पाया है। ड्रेन के निर्माण पर दो भागों में 139.29 करोड़ रुपये की राशि खर्च हो चुकी है, लेकिन सालभर के बाद अब नगर निगम सुंदरता रूपी पर्दों से अधूरे कार्य को ढकने पर विवश है। अटल मिशन (अमृत) योजना के तहत नगर निगम की ओर से देवडू रोड से शादीपुर तक कायाकल्प व शहरी परिवर्तन के लिए ड्रेन का निर्माण करवाया जा रहा है। इस क्षेत्र में ड्रेन को पक्का करने के साथ सुंदरीकरण के कार्य करवाए जाने हैं। ड्रेन निर्माण के लिए केंद्रीय विद्युत मंत्री एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शिलान्यास किया था। ड्रेन के पार्ट-1 को पक्का करने के लिए 92 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है, जबकि राठधना के पास 250 मीटर व शहर में सभी पुलों पर करीब 250 मीटर क्षेत्र में ड्रेन का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। इस बीच वर्ष 2025 में ड्रेन के अधूरे निर्माण पर निगम एक ईंट भी लगाने में असमर्थ रहा, जबकि संबंधित कार्य को दो वर्ष के अंदर पूरा किया जाना था। निगम ने 2024 में मानसून से पहले 92%कार्य को पूर्ण कर लिया था। अब दिल्ली रोड, बस अड्डे के पास व बहालगढ़ रोड पर पुलों को ड्रेन से जोड़ने का कार्य अधूरा पड़ा है।

- केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने किया था शिलान्यास, शहर की सुंदरता नहीं बढ़ा पाई योजना
- अधिकारी बोले, दस करोड़ मंजूर जल्द पूरा करेंगे

ड्रेन के पार्ट-2 निर्माण कार्य पर 47.29 करोड़ हुए खर्च

शहर के बीच से गुजर रही ड्रेन नंबर 6 विकास में मील का पत्थर बनने वाली परियोजना में शामिल है। इसके निर्माण से जहां सुविधाजनक व्यवस्था होगी, वहीं सुंदरता को भी बढ़ावा मिलेगा। निगम ने ड्रेन नंबर 6 के पार्ट-2 का निर्माण कार्य अप्रैल 2025 कर लिया था। पार्ट-1 का निर्माण कार्य करीब डेढ़ साल बाद भी शुरू होने का इंतजार कर रहा है। सरकार ने ड्रेन के पार्ट-2 में होने वाले निर्माण कार्य को वर्ष 2019 में मंजूरी प्रदान की थी। वर्ष 2020 में टेंडर आवंटन के बाद निगम ने डेढ़ साल में इस कार्य पूरा करना था। इस बीच ड्रेन के 800 मीटर क्षेत्र में 112 पेड़ बाधा बने रहे, जिससे निर्माण में दो वर्ष की देरी हुई।

राठधना के साथ सभी पुलों से ड्रेन का मिलान कर अधूरे काम को पूरा करेंगे

अब नगर निगम का दावा है कि ड्रेन का शेष कार्य पूरा करने के लिए 10 करोड़ रुपये की मंजूरी मिल चुकी है। निगम ने वर्ष 2026 में अधूरी पड़ी योजना को सिरे चढ़ाने का निर्णय लिया है। इनमें राठधना के साथ सभी पुलों से ड्रेन का मिलान कर अधूरे पड़े निर्माण कार्यों को पूरा करवाया जाएगा। उम्मीद है कि इस साल ड्रेन का निर्माण पूरा होने के साथ शहर की सुंदरता को बढ़ावा मिल सकता है।

एसएलटीसी की बैठक में बजट पास, 6 अधूरे निर्माण पूरे होंगे

ड्रेन नंबर 6 के अधूरे पड़े निर्माण कार्य को पूरा करवाने के लिए 10 करोड़ रुपये की मंजूरी मिल गई है। राज्यस्तरीय तकनीकी समिति (एसएलटीसी) की बैठक बजट पास किया गया था। 2026 में ड्रेन के अधूरे कार्य को पूरा कर लिया जाएगा।

-विशाल गर्ग, कार्यकारी अभियंता, नगर निगम

मल्ला माजरा में बदमाशों ने घर में घुसकर की वारदात, युवक को चाकुओं से गोदा

मां को कमरे में बंद किया, बाहर जवान बेटा फर्श पर खून से लथपथ तड़पता रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिले के गांव मल्ला माजरा में बुधवार की काली रात एक परिवार पर कहर बनकर टूटी। यह केवल एक लूट और हत्या की वारदात नहीं थी बल्कि 35 मिनट तक चला वह खूनी खेल था जिसने मानवीय संवेदनाओं को तार तार कर दिया। एक मां अपने कमरे में बंद होकर चीखती रही और दूसरी तरफ उसका जवान बेटा साहिल दहिया फर्श पर पड़ा खून से लथपथ तड़पता रहा। दो साल पहले अपने पति को खो चुकी सुनीता के लिए यह दूसरा ऐसा प्रहार है जिसने उनके जीवन के आधार को ही खत्म कर दिया है। मल्ला माजरा की इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था और सुनसान इलाकों में रहने वाले परिवारों के डर को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। तीन एकड़ दूर सुनसान स्थान पर बना वह मकान जहां कभी खुशियां चहकती थीं अब वहां केवल मातम और सन्नाटा पसरा हुआ है।

बड़ा बेटा अरुण वायुसेना में

सुनीता के पति राजेश का निधन दो साल पहले हृदयाघात के कारण हो गया था। उस दुख से उबरने के लिए सुनीता ने अपने दोनों बेटों साहिल और अरुण के सहारे हिम्मत जुटाई थी। बड़ा बेटा अरुण दहिया भारतीय वायु सेना में देश की सेवा कर रहा है और राजस्थान के बाड़मेर में तैनात है। घर की पूरी जिम्मेदारी 26 वर्षीय साहिल के कंधों पर थी।

सोनीपत। वारदात की जानकारी मिलने के बाद घर के बाहर खड़े ग्रामीण। इनसेट में साहिल का फाइल फोटो।

दीवार फांदकर घर में घुसे बदमाशों ने मां और बेटे को बंधक बनाकर की लूटपाट, विरोध करने पर कर दी साहिल की हत्या

रात के करीब एक बजे जब सन्नाटा पसरा था तब हमलावर दीवार फांदकर घर के पिछले हिस्से से अंदर दाखिल हुए। हमलावरों ने मुख्य दरवाजे पर दस्तक दी जिसे सुनकर सुनीता बाहर आईं। जैसे ही दरवाजा खुला चार हथियारबंद हमलावर अंदर घुस आए। इनमें से एक ने चेहरा ढका हुआ था जबकि तीन बेखौफ होकर बिना नकाब के आए थे। शोर सुनकर साहिल भी बाहर आ गया। हमलावरों ने दोनों को हथियारों के बल पर बंधक बना लिया। जब साहिल ने विरोध जताया या कुछ कहने की कोशिश की तो हमलावरों ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए उसकी मां के सामने ही उसके सीने में चाकू घोंप दिया। साहिल फर्श पर गिरकर तड़पने लगा और आरोपितों ने सुनीता को एक कमरे में बंद कर दिया। अगले 35 मिनट तक आरोपित घर के कमरों को खंगालते रहे कीमती सामान बटोरते रहे और बीच-बीच में सुनीता को जान से मारने की धमकियां देते रहे।

साहिल की पत्नी मायके गई हुई थी

साहिल की शादी भी दो साल पहले झज्जर के रोहद निवासी पिंकी से हुई थी। दुर्भाग्य देखिए कि जिस दिन यह वारदात हुई उस समय साहिल की पत्नी पिंकी अपने मायके गई हुई थी। घर में केवल मां और बेटा थे। सुनसान इलाके का फायदा उठाकर हमलावरों ने इस गहरे जख्म को अंजाम दिया जिससे सुनीता की दुनिया उजड़ गई।पुलिस जांच और सुनीता के बयानों से जो हकीकत सामने आई है वह रोंगटे खड़े कर देने वाली है।

छत पर कमरे में सोता रहा किराएदार, नहीं लगा पता

हैरानी की बात यह है कि जब नीचे की मंजिल पर यह खूनी खेल चल रहा था तब घर की ऊपरी मंजिल पर किरायेदार हितेश सो रहा था। महेंद्रगढ़ निवासी हितेश फ्लिपकार्ट कंपनी में काम करता है और रात को ड्यूटी करके लौटा था। गहरी नींद में होने के कारण उसे नीचे हो रही इस बड़ी वारदात की भनक तक नहीं लगी। जब हमलावर भाग गए तब सुनीता ने किसी तरह बाहर निकलकर ऊपर जाकर हितेश को जगाया। इसके बाद ग्रामीणों को सूचना दी गई। हमलावर जाते समय सुनीता का मोबाइल फोन और कार की चाबी भी अपने साथ ले गए ताकि कोई तुरंत उनका पीछा न कर सके या पुलिस को सूचना न दे पाए।

रेकी कर वारदात का शक

जिस तरह से आरोपितों ने घर के पिछले हिस्से का रास्ता चुना और सीसीटीवी कैमरों से बचते हुए अंदर दाखिल हुए उससे यह अंदेशा जताया जा रहा है कि इस वारदात से पहले घर की पूरी रेकी की गई थी। आरोपितों को पता था कि घर आबादी से दूर है और घर में इस समय केवल दो ही लोग मौजूद हैं। मल्ला माजरा की इस घटना ने उन परिवारों की चिंता बढ़ा दी है जो खेतों में या आबादी से दूर घर बनाकर रहते हैं। ग्रामीणों में इस बात को लेकर भारी रोष है। लोगों का कहना है कि एक महिला जिससे पहले उसका पति छिन गया और अब उसका जवान बेटा मार दिया गया वह अब किसके सहारे जिएगी। गांव में इस समय केवल सिसकियों की आवाज सुनाई दे रही है। हर आंख नम है और हर जुबान पर आरोपितों के लिए गुस्सा है।

फर्जी पासपोर्ट मामले में भाऊ गैंग का शूटर अमन भैंसवाल चार दिन के रिमांड पर

पुलिस ने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनाकर कोर्ट में पेश किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत के गोहाना में पुलिस ने फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश भागने वाले कुख्यात हिमांशु उर्फ भाऊ गैंग के शूटर अमन भैंसवाल को चार दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच आरोपित को गोहाना कोर्ट में पेश किया। इस दौरान सबसे ज्यादा चर्चा पुलिस द्वारा आरोपित को पहनाई गई बुलेटप्रूफ जैकेट की रही। सुरक्षा कारणों और गैंगवार की आशंका को देखते हुए पुलिस ने यह कदम उठाया।

- सुरक्षा और गैंगवार को लेकर अलर्ट रही पुलिस

अमन भैंसवाल पर हत्या और हत्या के प्रयास जैसे आधा दर्जन से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। वह फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाकर अमेरिका फरार हो गया था। हरियाणा एसटीएफ की सक्रियता और इंटरपोल द्वारा जारी रेड कॉर्नर नोटिस के बाद अमेरिकी एजेंसियों ने उसे हिरासत में लिया था। बुधवार सुबह जैसे ही उसे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डिपोर्ट किया गया एसटीएफ ने उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया।

फर्जी पासपोर्ट के खेल में कौन-कौन शामिल पूछताछ करेगी पुलिस

सीआईए गोहाना की टीम अब चार दिनों तक आरोपित से गहन पूछताछ करेगी।

पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि फर्जी पासपोर्ट बनवाने के इस खेल में और कौन-कौन से एजेंट और लोग शामिल हैं। साथ ही भाऊ गैंग के अन्य नेटवर्क और उनके ठिकाने के बारे में भी सुराग जुटाए जाएंगे। आरोपित के पास से फर्जी पासपोर्ट गिरोह से जुड़े कई अहम दस्तावेज और जानकारियां मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली के मयूर विहार फेज-3 के पते पर बनवाया था पासपोर्ट

जांच में सामने आया कि मई 2025 में हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने गैंगस्टरों के उस नेटवर्क का भंडाफोड़ किया था जो फर्जी पासपोर्ट के जरिए अपराधियों को विदेश भेजने में मदद करता था। तत्कालीन सब इंस्पेक्टर संगीत की शिकायत पर सदर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया था। जांच में पता चला कि अमन भैंसवाल ने दिल्ली के मयूर विहार फेज-3 के दल्लूपुरा का फर्जी पता इस्तेमाल किया था। उसने 6 मई 2024 को जारी हुए फर्जी पासपोर्ट के आधार पर देश छोड़ दिया था।

कोल्ड स्टोर से 10 बोरी पिस्ता चोरी करने के आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। सोनीपत जिले की क्राइम यूनिट वेस्ट की पुलिस ने कोल्ड स्टोर से पिस्ता डोडी चोरी करने की घटना में संलिप्त दो आरोपितों को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रणजीत और सूरज दोनों निवासी हरदोई उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 22 सितंबर 2025 को हरीश चंद्र पुत्र कमलराम निवासी नैनीताल उत्तराखंड, जो जीके एग्रो कोल्ड स्टोर वाजिदपुर गांव सबौली में कार्यरत हैं, ने थाना कुंडली में शिकायत दी थी। शिकायत में बताया गया कि उनके कोल्ड स्टोर से 10 बोरी पिस्ता डोडी चोरी हो गई है। इस शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान क्राइम यूनिट वेस्ट सोनीपत की अनुसंधान टीम में तैनात उप निरीक्षक मनोज ने अपनी टीम के साथ आरोपितों की तलाश शुरू की। जांच में चोरी की घटना में रणजीत और सूरज की संलिप्तता सामने आई। दोनों आरोपित किसी अन्य मामले में जेल में बंद थे। पुलिस ने दोनों आरोपितों को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया और न्यायालय में पेश किया। न्यायालय के आदेशानुसार दोनों आरोपितों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अब रिमांड अवधि के दौरान चोरी गए पिस्ता डोडी को बरामद करने का प्रयास करेगी।

- पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया

हत्या के मामले में पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया, युवक ने जहर खाया

गन्नौर। बली कुतुबपुर गांव में पिछले महीने हुए रविंद्र उर्फ रवीश हत्याकांड मामले में नामजद आरोपित 35 वर्षीय दीपक बूरा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार जांच में शामिल होने से पहले ही दीपक ने कथित रूप से खेत में जहरीला पदार्थ निगल लिया। हालत बिगड़ने पर स्वजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे स्वजन को सौंप दिया है। बता दें कि 14 दिसंबर 2025 को बली कुतुबपुर निवासी रविंद्र उर्फ रवीश का शव उसके खेत में घायल अवस्था में मिला था। घटनास्थल से शराब की बोतलें बरामद हुई थी। वारदात से पहले मौके पर सभी ने शराब पी थी। मृतक के स्वजनों ने गांव के ही अर्जुन, दीपक बूरा और सैय्या खेड़ा निवासी बिजेंद्र समेत कुछ अन्य लोगों पर हत्या का आरोप लगाया था। इस मामले में खुबडू झाल चौकी पुलिस द्वारा आरोपित सैया खेड़ा निवासी बिजेंद्र को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं दीपक बूरा को भी जांच में शामिल होने के लिए पुलिस चौकी बुलाया गया था, लेकिन वह नहीं पहुंचा।

- बली कुतुबपुर के रविंद्र की हत्या में नामजद था दीपक

पुलिस से बोला- आ रहा हूं, फिर खेत में जाकर कर लिया सुसाइड

पुलिस के अनुसार दीपक बूरा को पूछताछ के लिए चौकी बुलाया गया था। उसने आने का भरोसा दिलाया, लेकिन इससे पहले ही उसने जहरीला पदार्थ निगल कर आत्महत्या कर ली। खुबडू चौकी इंचार्ज एसआई कुलदीप ने बताया कि स्वजनों के अनुसार दीपक बूरा कई दिनों से तनाव में चल रहा था।

आस मोहम्मद हत्याकांड में चौथी गिरफ्तारी मुंहबोला ससुर राजेश भी साजिश में शामिल

■ दो जनवरी को आरोपी ने सचिवालय में कीटनाशक पीया था ■ पुलिस पर लगाया था उत्पीड़न का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

बहालगढ़ के पास हुए आस मोहम्मद हत्याकांड में पुलिस ने अब चौथे आरोपित राजेश को गिरफ्तार किया है। आरोपित को वीरवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। राठधना निवासी राजेश पर इस मामले में संलिप्तता का आरोप है। बता दें कि राजेश मृतक आस मोहम्मद का मुंह बोला ससुर है और राजेश ने 2 जनवरी को लघु सचिवालय में कीटनाशक पीकर आत्महत्या की कोशिश की थी। जिसके बाद से राजेश उपचाराधीन था। अब पुलिस ने राजेश को गिरफ्तार कर लिया है।

- पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, न्यायिक हिरासत में भेजा
- आस की पत्नी व सास भी साजिश में शामिल, हो चुकी गिरफ्तार

बता दें कि कुंडली क्राइम यूनिट ने पहली जनवरी को मुरथल क्षेत्र में मुठभेड़ के बाद आस मोहम्मद उर्फ आशू हत्याकांड का खुलासा किया था। मुठभेड़ के दौरान ईदगाह कॉलोनी निवासी समीर के पैर में गोली लगी थी और उसका भाई साजिद पकड़ा था। दोनों पर 12 सितंबर को अपने रिश्तेदार मूलरूप से उतर प्रदेश के जिला बागपत के गांव निवाड़ा हाल बहालगढ़ निवासी आस मोहम्मद की हत्या कर शव को जलाने का आरोप था। दोनों ने वारदात कबूल की थी। आरोपितो की गिरफ्तारी से पहले आस मोहम्मद के शव की पहचान नहीं हो सकी थी और उनका हिंदू संस्था ने अंतिम संस्कार कर दिया था। पुलिस अभी भी मामले की आगे की पड़ताल कर रही है।

हत्या कर शव जलाया

इस हत्याकांड की असली वजह अवैध संबंध थे। जोकि आस मोहम्मद की पत्नी शबीन और समीर के बीच बन गए थे। शबाना समीर के भाई साजिद की साली थी। इन अवैध संबंधों का पता आश मोहम्मद को लग गया था, जिसके बाद आश मोहम्मद की हत्या की साजिश रची गई। जिसके तहत आश मोहम्मद को शराब पीने के बहाने बहालगढ़ में सरोवर पोर्टिको होटल के निकट धार्मिक स्थल के पास बुलाया था। वहां शराब पिलाने के बाद समीर ने पेचकस से हमला कर हत्या कर दी, फिर पेट्रोल डालकर शव को जलाया और गंदे नाले में फेंक कर फरार हो गया।

नरेला का युवक अवैध पिस्तौल व कारतसू सहित गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट कुंडली की पुलिस ने अवैध हथियार रखने की घटना में संलिप्त एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सचिन उर्फ टोला निवासी नरेला दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक देशी पिस्तौल .32 बोर और कारतसू बरामद किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को क्राइम यूनिट कुंडली में तैनात सहायक उप निरीक्षक आशीष अपनी टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान उन्हें खुफिया सूचना मिली कि सचिन उर्फ टोला अवैध पिस्तौल लेकर दिल्ली से पानीपत जीटी रोड के सर्विस रोड पर टाटा मोटर्स के पास किसी का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपी को हथियार व कारतूस सहित गिरफ्तार किया।

महिला विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग को लेटर ऑफ इंटेंट मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) का शिक्षा विभाग बीए, बीएड और बीएससी कार्यक्रमों के लिए माध्यमिक स्तर पर मान्यता आदेश प्राप्त कर चुका है। अब विभाग को हाल ही में बीए, बीएड प्रारंभिक पाठ्यक्रम तथा बीए, बीएड आधारभूत कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) से लेटर ऑफ इंटेंट प्राप्त हुआ है, जो विभाग के लिए एक बड़ी शैक्षणिक उपलब्धि है। जिसे लेकर गुरुवार को विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने शिक्षा विभाग को बधाई दी। शिक्षा विभाग की अध्यक्षा प्रो. वरुणा तेहलान दहिया ने बताया कि इन चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12वीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण रहेगी। इसके अतिरिक्त, छात्राओं को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा, जो 4 वर्षीय आईटीईपी में प्रवेश के लिए अनिवार्य है। यह परीक्षा केंद्रीय स्तर पर आयोजित की जाएगी।

- बीए, बीएड प्रारंभिक पाठ्यक्रम तथा बीए, बीएड आधारभूत कार्यक्रम के लिए एनसीटीई ने लेटर दिया

गोहाना। कुलपति प्रो. सुदेश के साथ शिक्षक व अधिकारी।

गुड़-तिल-मूंगफली टेस्टी भी-हेल्दी भी

बच्चो, जाड़े के मौसम में बहुत सी हेल्दी चीजें खाने को मिल जाती हैं। जनवरी माह में मकर संक्रांति पर्व भी आता है, इस अवसर पर तिल-मूंगफली से बने व्यंजनों के खाने का एक अलग ही मजा है, जो हमारी हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। सर्दियों में और कौन-कौन सी हेल्दी-टेस्टी चीजें खाई जा सकती हैं, जो हमें फिजिकली-मेंटली फिट रखती हैं, जानो।

सीजनल डाइट

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चो, हेल्दी डाइट से ही हमारा शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहता है। स्वस्थ आहार में बहुत-सी चीजें शामिल होती हैं, जैसे- सब्जियां, अनाज, फल, ड्राई फ्रूट्स और दूध-दही। बहुत से फूड आइटम्स भी हमारी हेल्दी डाइट का हिस्सा होते हैं। हमारे देश में तो मौसम के हिसाब से भी खान-पान तय किया गया है। तुमने देखा होगा कि घर में मौसम के बदलते ही खाने-पीने की चीजें भी बदल जाती हैं। इन दिनों जाड़े में मूंगफली, तिल और गुड़ की बनी चीजें खूब दिख रही हैं। ये ट्रेडिशनल फूड आइटम्स सर्दियों के लिए एनर्जी बूस्टर हैं। इनसे मिलने वाले पोषक तत्व, साल भर हमारे शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

स्वास्थ्य के रक्षक

सर्दी के मौसम में खाए जाने वाले तिल-मूंगफली के पकवान बहुत न्यूट्रीशस होते हैं। ये हर एज ग्रुप के लोगों को पसंद आते हैं। इनकी तासीर यानी हमारे शरीर पर पड़ने वाला असर, गर्म होती है। जिसके चलते इनसे बनी सभी चीजें शरीर को ठंड से बचाती हैं। तिल की बने लड्डू हों या मूंगफली की चिक्की, सर्दियों में सबके साथ धूप में बैठकर या अलाव तापते हुए इन्हें खाने का मजा ही कुछ और है! ठंड से बचाव करने और सेहत बनाने वाले ये क्रंची स्नैक्स, अपनों के साथ समय बिताने का भी अवसर देते हैं। तिल और मूंगफली में न केवल प्रोटीन बल्कि कई विटामिन और ओमेगा 6 जैसे न्यूट्रिएंट्स भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इन दोनों में ही कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व भी होते हैं। इसीलिए तिल के लड्डू खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं। ये हमारी डाइजेस्टिव हेल्थ को बेहतर रखते हैं। वहीं पीनट्स यानी मूंगफली भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। पीनट्स खाने से ब्रेन फंक्शनिंग भी सुधरती है। बच्चो, नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी में सामने आया है कि तिल और मूंगफली में हेल्दी फैट होता है। इसीलिए ठंड के मौसम में इन चीजों को जरूर खाना चाहिए। ये ठिठुराती सर्दी में खेलने-कूदने और एक्टिव रहने का एनर्जी बूस्टर डोज हैं।

मिठास का सेहतमंद साथ

बच्चो, तिल, मूंगफली को जब गुड़ का साथ मिलता है, तो ये स्वादिष्ट ही नहीं और अधिक गुणकारी भी बन जाते हैं। तिल, गुड़ और मूंगफली, ये तीनों चीजें ठंड के मौसम के लिए सुपरफूड हैं। इनसे बनी चीजें खाने में बहुत टेस्टी लगती हैं। इन्हें स्कूल के टिफिन में ले जाना भी बहुत आसान है। तिल और मूंगफली तो पौष्टिक हैं ही, गुड़ में भी आयरन, मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे कई मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को एनर्जी और गर्माहट देने का काम करते हैं। गुड़ में विटामिन ए, सी और ई भी होते हैं। असल में गुड़ में मौजूद शुगर, सुक्रोज और फ्रक्टोज के रूप में होती है, इसलिए इसका स्वाद मीठा और तुरंत एनर्जी देने वाला होता है। यही कारण है कि गुड़ खाने से मानसिक और शारीरिक स्ट्रेस भी कम होता है। गुड़ में मिठास ही नहीं जिंक, सेलेनियम और एंटीऑक्सिडेंट्स भी होते हैं। ये ना सिर्फ हमारे शरीर को इंफेक्शन से बचाते हैं बल्कि इम्यूनिटी भी बढ़ाते हैं। तिल और मूंगफली के लड्डू, गजक, बर्फी, तिलपट्टी, तिलकुट या चिक्की बनाने के लिए गुड़ का ही इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में सर्दियों के मौसम में इन चीजों को खाना इम्यूनिटी, मूड और अपनेपन का मिठास भरा बूस्टर डोज बन जाता है।

ट्रेडिशनल टेस्ट का कमाल

बच्चो, तिल, मूंगफली और गुड़ जैसी चीजों की न्यूट्रिशनल वैल्यू को हमारे बड़े-बुजुर्ग हमेशा से समझते आए हैं। सर्दियों में आने वाले त्योहार, जैसे मकर संक्रांति और लोहड़ी पर तो खासतौर पर इन चीजों को खाया जाता है। सर्दियों में हमारे घरों में इन चीजों से पारंपरिक और पौष्टिक मिठाई बनाने का ट्रेंड रहा है। आज भी विंटर सीजन में दादी-नानी तिल के लड्डू बनाकर भी अपना प्यार जताती हैं। बच्चो, समझना जरूरी है कि तिल, मूंगफली से बनी मिठाई,

स्नैक्स का बहुत हेल्दी ऑप्शन हैं। अगर सही पोर्शन में खाया जाए तो शरीर को इनसे कोई नुकसान नहीं होता। हमारा ट्रेडिशनल खान-पान शरीर, मन और मौसम के मुताबिक बने हुए हैं। बीमारियों से बचाने और इम्यूनिटी मजबूत करने वाले देसी नुस्खों में दादी, नानी और मम्मी का स्नेह भी भरा होता है। इसीलिए सर्दियों में इन सुपर फूड्स को खूब मन से खाओ। अच्छी सेहत बनाओ। इस कमाल के ट्रेडिशनल टेस्ट के लिए दादी-नानी का मन से आभार भी जताओ। *

कैसे हुई पतंग की शुरुआत

हमारे देश में कुछ खास पर्व और अवसरों पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। बच्चे तो पतंगबाजी को खूब एंज्वॉय करते हैं। पतंग के आविष्कार और देश-विदेश में इसके प्रचलन का किस्सा बड़ा रोचक है। जानो, पतंग और पतंगबाजी से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

जानकारी

शिवानी छाया

बच्चो, मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाने की परंपरा है। इस पर्व के अलावा हमारे देश में वसंत पंचमी, स्वतंत्रता दिवस पर भी पतंगें उड़ाई जाती हैं। गुजरात, राजस्थान, पंजाब और तेलंगाना जैसे कई राज्यों में तो पतंगोत्सव यानी काइट फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश-विदेश से आए लोग भाग लेते हैं। पतंगबाजी में बच्चे-बड़े सभी भाग लेते हैं, खूब एंज्वॉय करते हैं। बच्चो, तुम यह जानना चाहोगे कि पतंग उड़ाने की शुरुआत कब और कैसे हुई, जानो-

चीन में हुई थी शुरुआतः माना जाता है कि पतंग बनाने और उड़ाने की शुरुआत लगभग 2800 वर्ष पहले चीन के शानदोंग शहर में हुई थी। इस शुरुआत के पीछे एक रोचक किस्सा है- खेत में काम करने के दौरान एक चीनी किसान की टोपी बार-बार हवा में उड़कर इधर-उधर चली जाती थी। इससे परेशान होकर वह अपनी टोपी एक डोरी से बांधकर रखने लगा। इससे उसकी टोपी हवा में उड़ती तो थी लेकिन इधर-उधर नहीं जाती थी। बस यहीं से पतंग बनाने का आइडिया ने जन्म लिया। विभिन्न स्रोतों के अनुसार दुनिया की शुरुआती पतंगें चीन के हुआंग थेंग, मोजी और लुबान ने बनाई थीं। ये पतंगें कागज की नहीं, लकड़ी और रेशम से बनी होती थीं, जिसे 'वुडन बर्ड' यानी 'लकड़ी की चिड़िया' कहा जाता था। बाद में रेशम के कपड़े, बांस आदि की सहायता से पतंगें बनाई जाने लगीं। चीन में पतंग के आविष्कार की एक वजह यह भी थी कि उस दौर में पतंग बनाने का उपयुक्त सामान, जैसे- रेशम का कपड़ा, पतंग उड़ाने के लिए मजबूत रेशम का धागा और पतंग के शेप को सहारा देने के लिए हल्का और मजबूत बांस चीन में आसानी से उपलब्ध था।

चीन में बनी शुरुआती दौर की पतंग

मनोरंजन नहीं था उद्देश्यः आज हम पतंगबाजी को एक खेल के रूप में देखते हैं, इसे मनोरंजन के लिए उड़ाते हैं। लेकिन शुरुआत में पतंग उड़ाना मनोरंजन नहीं था। पतंग का प्रयोग संदेश भेजने, हवा की गति और दिशा का पता लगाने, जासूसी जैसे उद्देश्यों के लिए किया जाता था। धीरे-धीरे उच्च और सामान्य वर्ग के लोगों की रुचि इसमे बढ़ती गई और पतंगबाजी शौक और मनोरंजन का साधन बन गई।

भारत में पतंग का प्रसारः पतंग बनाने की कला और इसे उड़ाने का शौक चीन, जापान, कोरिया, थाइलैंड जैसे देशों से होकर भारत पहुंचा। इसमें विदेशी यात्री, व्यापारी और बौद्ध भिक्षुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। देखते ही देखते पतंगबाजी भारत में काफी लोकप्रिय हो गई, यहां के पर्व-उत्सवों एवं संस्कृति का हिस्सा बन गई। आज बच्चे-बड़े सभी खुले आसमान में पतंग उड़ाते हैं, पतंग से जुड़े फेस्टिवल्स एंज्वॉय करते हैं। *

पौराणिक ग्रंथों और इतिहास में पतंग

बच्चो, मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उड़ाने को लेकर एक पौराणिक मान्यता भी है। तमिल ग्रंथ 'तंदनान रामायण' के अनुसार मकर संक्रांति के दिन पहली बार भगवान श्रीराम ने पतंग उड़ाई थी, जो इंद्रलोक तक चली गई थी। तभी से मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उड़ाने की परंपरा चली आ रही है। आधुनिक भारत के इतिहास की बात करें तो 1928 में साइमन कमीशन के विरोध में 'साइमन गो बैक' लिखे काली पतंगें उड़ाकर विरोध प्रदर्शन किया गया था। देश की आजादी के बाद उसी घटना की याद में स्वतंत्रता दिवस पर पतंग उड़ाने की परंपरा शुरू हुई।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

गोलू-दादू की दोस्ती

बच्चो, तुमको अपने दादाजी-नानाजी से बात करने, उनके संग खेलने में भी फ्रेंड वाली फीलिंग आती होगी। हाल में छपकर आई किताब 'गोलू मेरा दोस्त' में तुम एक प्यारे बच्चे गोलू और उसके दादू की दोस्ती से जुड़ी मजेदार कहानियां पढ़ सकते हो। इन नौ कहानियों में तुमको गोलू का नटखट स्वभाव, भोलापन और समझदारी देखने को मिलेगी। किसी कहानी में तुम पढ़ोगे कि गोलू के दादू, उसे बड़े प्यार से जीवन से जुड़ी उपयोगी सीख भी दे देते हैं। संग्रह की पहली कहानी 'गोलू मेरा दोस्त' में तुम पढ़ोगे कि गोलू कैसे दादू को गांव से अपने पास बुलाकर प्यारा सा सरप्राइज देता है! 'गोलू मेरा नाम' कहानी में जब तुम पढ़ोगे कि गोलू कैसे अपना नाम अभिनव के बजाय गोलू पुकारे जाने पर मुंह फुला लेता है और फिर दादू उसे उसकी गलती कुछ ऐसे समझाते हैं कि तुम हंसे बिना नहीं रहोगे। कामचोर का मतलब क्या होता है, इसका अर्थ समझने के लिए तुमको 'गोलू मस्त मोलू' कहानी पढ़नी होगी। किताब की अन्य कहानियां भी तुमको जरूर पसंद आएंगी। *

किताबः गोलू मेरा दोस्त (बाल कहानी संग्रह), **लेखकः** गोविंद शर्मा
मूल्यः 150 रुपए, **प्रकाशकः** पंचशील प्रकाशन, जयपुर

हंसगुल्ले

चिक्की : मिक्की, कल रात को सपने में मेरे पैर में कांटा चुभ गया था।
मिक्की : तुम चप्पल पहन कर सोया करो तब कांटा नहीं चुभेगा।
-खुशी, रायपुर

मिंकी (अपनी मम्मी से) : मम्मी, क्या जुबान के भी पैर होते हैं?

मम्मी : नहीं तो! क्यों?
मिंकी : तो फिर रिंकी मुझसे क्यों कहती रहती है कि तेरी जुबान बहुत चलती है?
-काम्या, भोपाल

चिंटू : बताओ, समांतर रेखाएं एक-दूसरे को क्यों नहीं काटती हैं?
मिंटू : क्योंकि उनके दांत नहीं होते।
-सुरेंद्र, रोहतक

जीके क्विज-187

1. वूमेंस टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी कौन बनी हैं?
2. भारत किस देश को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है?
3. हाल में दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय महिला का क्या नाम है?
4. महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश किस स्थान पर दिया था?
5. भारत के अंतिम गवर्नर जनरल कौन थे?
6. कोणार्क का सूर्य मंदिर किस राज्य में स्थित है?
7. गाजर में कौन-सा विटामिन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है?
8. भारत में पहली रेल किन दो स्थानों के बीच चली थी?
9. इलेक्ट्रिक आयरन को गर्म करने के लिए किस धातु का प्रयोग किया जाता है?
10. भरतनाट्यम किस राज्य की नृत्य शैली है?

बच्चों, जीके क्विज-187 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-186 का उत्तर : 1.स्मृति मंधाना, 2. 366 दिन, 3. 10 जनवरी, 4.मिजोरम, 5.मंगोलिया, 6.हाइड्रोजन, 7.माइटोकॉण्ड्रिया, 8.न्यूमिस्मेटिक्स, 9.गंगा डॉल्फिन, 10.विनय कुमार सक्सेना

जीके क्विज-186 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, आपु-रायगढ़, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, ज्योति-रायगढ़, गुंजा-रायपुर, रक्षित-बिलासपुर, अनन्या-दुर्ग, केशव-बिलासपुर, नमन-रोहतक, हर्ष-भोपाल, शिवांश-महासमुंद

कहानी

सरस्वती रमेश

राजू को तो यही पता था, मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाकर त्योहार की खुशियां मनाई जाती हैं, लेकिन दादी ने बताया इस दिन दान दिया जाता है, जिसका एक अलग महत्व होता है। राजू को यह बात वास्तव में कितनी समझ में आई, क्या उसने मकर संक्रांति के दिन कोई दान किया?

मकर संक्रांति का दान

राजू के घर आज सुबह-सुबह पूरे परिवार ने स्नान किया। फिर सबने मकर संक्रांति की पूजा की। तिल के लड्डू खाए। खाने में राजू की मम्मी ने आज स्वादिष्ट खिचड़ी बनाई थी। दोपहर में सभी लोगों ने छत पर गुनगुनी धूप में बैठकर खिचड़ी खाई। मम्मी-पापा, दादा-दादी राजू और छोटी बहन पीहू ने खिचड़ी खाई। दादी ने राजू और पीहू से पूछा, 'जानते हो बच्चो, मकर संक्रांति के दिन क्या करते हैं?'

'हां.. हां.. जानता हूं। आज के दिन मजे से पतंग उड़ाते हैं।' राजू तपाक से बोला। 'हां पतंग तो उड़ाते हैं, लेकिन इस दिन को बहुत शुभ माना जाता है। गरीब लोगों को दान भी करते हैं। आज के दिन दान करने से उसका पुण्य कई गुना बढ़ जाता है।' दादी ने बताया।

'दान क्या होता है दादी?' पीहू ने भोलेपन से पूछा।

'दान मतलब किसी गरीब को कुछ देना। कोई खाने की चीज या वस्त्र आदि।' दादी बोलीं।

'फिर तो भैया आप मुझे अपनी बड़ी वाली पतंग दान कर दो न प्लीज।' पीहू ने मचलते हुए कहा तो सब हंस पड़े।

कुछ देर बाद राजू अपने पापा और बहन के साथ घर के पास ही ग्राउंड में पतंग उड़ाने गया। आसमान में रंग-बिरंगी पतंगें उड़ रही थीं। बच्चे, बड़े सब पतंगें उड़ा रहे थे। तभी वहां एक बच्चा दिखाई दिया। वह पेड़ के पीछे खड़ा होकर सबको पतंगें उड़ाता हुआ देख रहा था। ठंड काफी थी, लेकिन उस बच्चे ने सिर्फ एक हाफ शर्ट और नेकर पहन रखी थी। राजू के पापा की नजर उस पर पड़ी तो उन्होंने पूछा, 'अरे! तुम यहां क्यों छिपे हुए हो?' 'सबको पतंगें उड़ता देख रहा हूं।' वह बच्चा बोला।

'तुम्हारी पतंग कहां है?' राजू ने उससे पूछा।

'मेरे पास नहीं है।' बच्चा उदास स्वर में बोला।

'और इतनी ठंड में तुमने स्वेटर क्यों नहीं पहन रखा है? तुम्हें ठंड नहीं लग रही क्या?' पापा को अचरज हो रहा था।

'लग रही है। स्वेटर गंदा हो गया था तो मां ने धोकर सूखने के लिए डाल रखा है।' बच्चे ने सकुचाते हुए बताया।

'तो दूसरा पहन लेते।' पास खड़ी पीहू बोली।

'दूसरा नहीं है।' लड़का धीमी आवाज में बोला।

'अच्छा तुम्हारा नाम क्या है?' पापा ने पूछा।

'मोनू।' लड़के ने बताया।

'तुम रहते कहां हो?' पापा ने जानना चाहा।

'वो सामने बस्ती में।' बच्चे ने अंगुली के इशारे से बताया।

'क्या तुम मेरे बेटे का पुराना स्वेटर लेलोगे।' पापा ने पूछा।

'मां से पूछकर बताऊंगा।' इतना कहकर वह जाने लगा तो राजू ने उसे रोक लिया।

'यह लो मेरी पतंग और मांझा, ठीक से उड़ाना।' राजू ने अपनी पतंग-मांझा उसके हाथों में पकड़ा दिया।

पतंग पाकर बच्चा खुश हो गया और दौड़ते हुए घर की ओर चला गया। राजू पापा के साथ घर लौट आया। पापा ने घर में बच्चे की बात सभी को बताई। यह भी बताया कि राजू ने उसे अपनी पतंग दे दी।

'लेकिन शाम को तो सर्दी और बढ़ जाएगी। हमें उसे गर्म कपड़े भी देने चाहिए।' मम्मी ने सुझाव दिया।

'यदि उसने पुराने कपड़े न लिए तो?' पापा बोले।

'हम उसके लिए नए कपड़े देंगे।' राजू ने कहा।

'लेकिन इतनी जल्दी नए कपड़े आएंगे कहां से?' मम्मी बोलीं।

'आपने जो मेरे लिए नया स्वेटर खरीदा है, वही उसे दे दीजिए।' राजू तुरंत बोला।

'लेकिन वो तो तुम्हारे लिए है और महंगा भी बहुत है।' दादी बोलीं।

'दादी, सुबह आपने कहा था न कि आज गरीब को दान करना चाहिए। वह गरीब बच्चा है। उसे स्वेटर देंगे आज।' राजू ने दादी को सुबह वाली बात याद दिलाई। 'जरूर बेटा, तुमने तो संक्रांति की परंपरा को ठीक से समझ लिया है। ले आओ, अपना नया वाला स्वेटर। चलो अभी चलते हैं मोनू के घर।' पापा बोले।

राजू भाग कर अपने कमरे से स्वेटर ले आया और खुशी-खुशी पापा के साथ मोनू के घर की ओर चल पड़ा। घर में दादी, मम्मी और पीहू भी यह देखकर बहुत प्रभावित और खुश थे कि दयालु राजू के कारण एक गरीब का भला होगा। *

कविता

अखिलेश श्रीवास्तव चमन

एक पर्व के इतने नाम!

छोटे से मिस्टर अयान
सोच-सोच कर हैं हैरान
तिथि एक है, पर्व एक है
लेकिन इसके इतने नाम!
दक्षिण भारत में है पोंगल
उत्तर में कहलाता खिचड़ी
असम राज्य में बिहू कहते
पंजाबी कहते हैं लोहड़ी।
मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा
में होता है मकर संक्रांति
पर पश्चिम बंगाल के अंदर
कहलाता है पौष संक्रांति।
इस दिन सूरज दिशा बदल
उत्तरी गोलार्ध में आ जाता है
रातें छोटी होने लगतीं
दिन लंबाई पा जाता है।
भुनी मूंगफली, गुड़ की पट्टी
तिल की गजक, रेवड़ी खाकर
पूरा देश मनाया करता
है यह पर्व, पतंग उड़ाकर।

रंग भरो-193

रंग भरो-193 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

रुजुला, रोहतक

आशना, जांजगीर

पयोनिधि, अंबिकापुर

आन्या, दुर्ग

लालिमा, गरियाबंद

रेयांश, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

देव्यांश-दुर्ग, दिशांत-महेंद्रगढ़, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, सुमन-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सौम्या-करनाल, रोहन-बिलासपुर, दिव्या-कोरबा, साकेत-बालोद

रंग भरो 194

बच्चो, यहां पतंग उड़ा रहे एक बच्चे का ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

सोनीपत। शिविर के दौरान शिकायतें सुनते हुए अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

समाधान शिविर में 12 शिकायतें हुई प्राप्त

सोनीपत। लघु सचिवालय स्थित तृतीय तल पर वीरवार को आयोजित समाधान शिविर के दौरान कुल 12 शिकायतें प्राप्त हुई। शिकायतों की सुनवाई करते हुए सीटीएम डॉ. अनमोल ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से समाधान सुनिश्चित करें। सीटीएम डॉ. अनमोल ने कहा कि शिकायतों के समाधान के उपरांत संबंधित अधिकारी शिकायतकर्ता से उसकी संतुष्टि के बारे में अवश्य जानकारी लें। इस अवसर पर एसीपी राजपाल सिंह, एसीयूटी योगेश दिल्हौर, डीडीपीओ मनीष मलिक, तहसीलदार कीर्ति सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम माध्यमिक विद्यालय में एनएसएस शिविर शुरू

खरखौदा। पीएम श्री वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खरखौदा में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना के कैंप की शुरुआत की गई। जिसमें सभी प्रतिभागी बच्चों का रजिस्ट्रेशन किया गया। जिसमें बच्चों को बताया गया कि प्रत्येक क्षेत्र में सेवा करना ही स्वयंसेवक का कर्तव्य है। एएसआई नीरज व हेड कांस्टेबल राकेश ने सड़क सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला समन्वयक सीताराम व पवन ने आह्वाहन किया कि राष्ट्रीय सेवा को आगे बढ़ाने के लिए हमें अपने किसी भी कर्तव्य से पीछे नहीं हटना चाहिए।

शिक्षा मंत्रालय की समृद्धि योजना पर प्रशिक्षण के लिए विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने सोनीपत के दो शिक्षकों का किया गया चयन

राजकीय विद्यालयों में नृत्य, गायन, कुकिंग, कटिंग जैसी गतिविधियों से बच्चों का ज्ञान बढ़ाने की तैयारी

रसायन विज्ञान विषय की शिक्षिका अंजू दहिया व कला विषय के शिक्षक बिजेंद्र कुमार को राज्यस्तर पर मिलेगा प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। समृद्धि योजना प्रशिक्षण के लिए चयनित रसायन विज्ञान की शिक्षिका अंजू दहिया व कला शिक्षक बिजेंद्र कुमार। फोटो : हरिभूमि

■ प्रशिक्षण में विषय को कलां के साथ कैसे पढ़ाया जाए, पाठ्यक्रम को कैसे ज्यादा प्रभावित आसान बनाया जाए, की दी जाएगी जानकारी

राजकीय विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों को नृत्य, गायन, कुकिंग, कटिंग जैसी गतिविधियों के माध्यम से रसायन विज्ञान व कला विषय पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय की समृद्धि योजना के तहत जिला के दो शिक्षकों को राज्यस्तर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम की तिथि जल्द निर्धारित की जाएगी। दोनों शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने विषयों पर विभिन्न गतिविधियों से विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करेंगे। सोनीपत से गांव भठगांव स्थित राजकीय कन्या विद्यालय में कार्यरत रसायन विज्ञान की शिक्षिका एवं राष्ट्रपति अवॉर्डी अंजू दहिया व गांव कंवाली स्थित राजकीय उच्च विद्यालय के कला शिक्षक बिजेंद्र कुमार का प्रशिक्षण के लिए चयन किया गया है। निदेशालय का उद्देश्य समृद्धि योजना के माध्यम से नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत राजकीय विद्यालयों में शिक्षा व विषय को सरल बनाना है, ताकि विद्यार्थी कला के साथ अपने विषयों को किस प्रकार आकर्षक व सरल बना सकें। योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों के लिए शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा रुचिकर व सरल बनाना है, जिससे वह विषय को बोझ न समझकर पढ़ाई में मन लगा सकें। विषयवार प्रशिक्षण में राज्य व क्षेत्र के पारंपरिक कला, दृश्य कला, फॉर्मिंग कला को शामिल किया जाएगा। विद्यार्थियों के लिए विषयों को रुचिकर बनाने के लिए इसमें नृत्य, संगीत, कविता, खाना बनाना, बुनाई, सिलाई करना, सभी को अपने व्यक्तिपरक ज्ञान में सुधार करना या बढ़ाना जैसी गतिविधियां शामिल रहेंगी। शिक्षकों ने भी शिक्षा मंत्रालय व विद्यालय शिक्षा निदेशालय के इस प्रयास को सराहा है।

विषयों में शामिल होने वाले तीन प्रारूप

प्रदर्शन कला : इसमें हरियाणा का लोक नृत्य, लोक गीत, संगीत, कविता, संगीतमय सारणी जैसी विभिन्न गतिविधियां शामिल रहेंगी।
दृश्य कला : बुनाई, सिलाई, वस्त्रों की रंगाई, धागे का काम आदि का उपयोग करके वस्त्र अपशिष्ट को कम करना जैसी गतिविधि शामिल होगी।
पारंपरिक कला : गेरू (लाल रंग), चूना, मिट्टी (बांधने के लिए), गोबर से बनी सांगी (उपले) बनाने में विभिन्न रसायनों का उपयोग, रंगोली, मंडला कला आदि में विभिन्न रंगों का उपयोग, रंग कार्ड जैसी गतिविधि कला विषय को आसान बनाएंगी।

योजना पर शिक्षकों के तर्क

शिक्षिका अंजू दहिया, शिक्षक बिजेंद्र कुमार ने बताया कि रसायन विज्ञान कला को अधिक सशक्त व सरल बनाता है, इसलिए रसायन विज्ञान व कला विषय आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। अगर सभी शिक्षक समृद्धि योजना को अपनी शिक्षा में शामिल करेंगे तो विद्यार्थियों को पहले की अपेक्षा और सरल भाव से समझाया जा सकेगा। विद्यार्थी मन लगाकर अपने विषयों पर ध्यान विकसित कर सकेंगे। अगर एक बार बच्चों ने रुचि लेना शुरू कर दिया तो वह अपने विषय में और भी बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे। साथ ही रसायन विज्ञान कला के साथ विभिन्न तरीकों से एकीकृत करने का प्रयास सराहनीय साबित होगा।

जल्द राज्यस्तर पर प्रशिक्षण का मौका मिलेगा

शिक्षा मंत्रालय की समृद्धि योजना से राजकीय विद्यालयों में जल्द ही विभिन्न गतिविधियों से विषयों को सरल बनाया जा सकेगा। योजना के तहत प्रशिक्षण के लिए विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने जिला के दो शिक्षकों का चयन है। चयनित शिक्षकों को जल्द राज्यस्तर पर प्रशिक्षण का मौका मिलेगा। प्रशिक्षण में विषय को कला के साथ कैसे पढ़ाया जाए, पाठ्यक्रम को कैसे ज्यादा प्रभावित व आसान बनाया जाए संबंधी जानकारी दी जाएगी।

- नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

योजनाओं के प्रति किसानों को किया जागरूक

खरखौदा। किसान आई डी बनाते कृषि अधिकारी व कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

खरखौदा। उप मंडल कृषि अधिकारी कार्यालय से कृषि विशेषज्ञ डॉ. कपिल के नेतृत्व में गांव थाना कलां, कंवाली, पिपली ,रोहणा में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही किसान हितैषी योजनाओं का लाभ लेने की जानकारी दी गई। इस अवसर पर किसान आई डी बनवाने से सरकार द्वारा किसानों को पीएम किसान निधि के 6 हजार रुपये प्रतिवर्ष, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, एमएसपी पर फसलों को बेचना, ई- क्षतिपूर्ति पोर्टल, डीएपी, यूरिया, कृषि यंत्र व अन्य उपकरण पर सब्सिडी आदि योजनाएं किसानों के लाभ के लिए चलाई जा रही है। इन सभी का लाभ प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा ऑनलाइन पोर्टल जारी किया गया है। जिसमें किसानों को किसी प्रकार की कोई परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके अलावा मोबाइल फोन पर भी एप के द्वारा यह सभी सेवाएं प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर खंड कृषि अधिकारी रविंद्र दहिया, रघुराज सिंह दहिया, अंकित आदि मौजूद रहे।

युवक पर जानलेवा हमले के मामले में दूसरा आरोपित गिरफ्तार

■ बर्फ तोड़ने वाले सुए से हमला, हथियार बरामद कर आरोपित को जेल भेजा

सोनीपत। पुलिस ने युवक का रास्ता रोककर बर्फ तोड़ने वाले सुआ से वार कर जानलेवा हमला करने की घटना में संलिप्त दूसरे आरोपित को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई थाना मुरथल पुलिस द्वारा की गई। गिरफ्तार आरोपित की पहचान अंकुश उर्फ बॉक्सर उर्फ नेपाली निवासी लिवासपुर जिला सोनीपत के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त बर्फ तोड़ने वाला सुआ भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार 14 दिसंबर 2025 को विजय पुत्र सोनू निवासी रेवली ने थाना मुरथल में शिकायत दी थी। शिकायत में बताया गया कि उसके दोस्त विनित और कार्तिक के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी, जिसे समझा बुझाकर सुलझा दिया गया था। इसके बावजूद 13 दिसंबर को जब विजय जिम जाने के लिए पैदल जा रहा था, तब भारत मॉडर्न स्कूल के पास एक गाड़ी और कई मोटरसाइकिलों पर आए युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया। कार्तिक ने जान से मारने की नीयत से सुआ से उसकी छाती पर वार किया। इसके बाद अन्य युवकों ने उसे पकड़कर मारपीट की और धमकी देकर फरार हो गए। घायल को पहले सरकारी अस्पताल सोनीपत और फिर बीपीएस खानपुर कलां रेफर किया गया। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया गया था।

न्यूज डायरी

21 जनवरी को करण चौटाला होंगे युवा इनेलो सम्मेलन के मुख्य अतिथि : प्रदीप गिल

सोनीपत। इनेलो पार्टी ने सोनीपत में पार्टी को मजबूत करने युवाओं को ज्यादा से ज्यादा जोड़ने के लिए 21 जनवरी को युवा सम्मलेन की तैयारी शुरू कर दी है जिसमे युवा इनेलो के राष्ट्रीय प्रभारी करण चौटाला सम्बोधित करेंगे। सोनीपत जिले के मुख्य कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते हुए वीरवार को जिला प्रभारी प्रदेश महासचिव प्रदीप गिल ने बैठक करके कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को सफल बनाने के लिए ड्यूटी लगाई। बैठक की अध्यक्षता युवा जिला अध्यक्ष विकास मलिक ने की। इस मौके पर पुराने कार्यकर्ता फूल कुंवार चौहान को जिला प्रेस प्रवक्ता नियुक्त किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष कुणाल गहलावत, प्रदेश प्रधान महासचिव करण चहल, पूर्व एसपी अनूप दहिया, प्रदेश सचिव कृष्ण मलिक, प्रदेश सचिव भूपेंद्र मलिक, प्रदेश सचिव सुरेश त्यागी, अशोक मलिक, गोहाना अध्यक्ष गोपाल जाजी, गन्नौर अध्यक्ष विजेंद्र शेखपुरा, राई अध्यक्ष प्रदीप दहिया, बरोदा अध्यक्ष सुरेंद्र सिरसाढ़, मंजीत फोगाट, जोरावर सिंह, राजवीर जोगी, आकाश पालीवाल, निकेश दहिया, नाहना करेवड़ी, अमन आहुलाना, यशपाल दहिया, राकेश जैन, आशीष सुहाग, रविंद्र मंडोरा, अरुण , साबर , अनिल , सुरेंद्र शर्मा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ठेका सफाई कर्मचारी एकता मंच का साझा आंदोलन तीसरे दिन भी जारी

सोनीपत। ठेका सफाई कर्मचारी एकता मंच से जुड़े मूलनिवासी कल्याण महासंघ, सहयोग बलि सेना व शहरी ठेका सफाई कर्मचारी यूनियन के संयुक्त आंदोलन का आज तीसरा दिन रहा। आंदोलन की अध्यक्षता मुकेश टाक ने की, जबकि मंच संचालन की जिम्मेदारी कोषाध्यक्ष विजय तोमर ने संभाली। तीसरे दिन भी कर्मचारियों का धरना पूरे जोश के साथ जारी रहा और सैकड़ों की संख्या में सफाई कर्मचारी धरना स्थल पर मौजूद रहे। कर्मचारियों का आरोप है कि 19 नवंबर को उन्हें आमरण अनशन से झूठे आश्वासन देकर उठाया गया था। उस समय कमिश्नर द्वारा जिन समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया गया था, वे आज तक जस की तस अटकी हुई हैं। विशेष रूप से पैरोल से जुड़े मामलों और हटाए गए कर्मचारियों को ड्यूटी पर वापस लेने की मांग अब तक पूरी नहीं की गई है। इसी के चलते कर्मचारियों को दोबारा आंदोलन और काम छोड़ हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा। धरने पर बैठे कर्मचारियों ने बताया कि कमिश्नर कार्यालय में कल एक बैठक हुई थी, जिसमें यह तय किया गया था कि 08 जनवरी को संयुक्त कमिश्नर के साथ अहम बैठक होगी।

2.4 करोड़ के विकास से चमक उठेगा गोहाना : बड़ौक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

अरुण बड़ौक।

■ गोहाना हलके को मिल रहा डॉ. अरविंद के कैबिनेट मंत्री होने का भरपूर फायदा

प्रदेश की भाजपा सरकार गोहाना हलके के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। अब सरकार द्वारा क्षेत्र के विकास के लिए 2 करोड़ 4 लाख 80 हजार रुपये की ग्रांट मंजूर की गई है जिससे क्षेत्र में विकासकार्यों की झड़ी लग जाएगी।

इससे पहले भी गोहाना में विकासकार्यों के लिए करोड़ों रुपये की ग्रांट मिल चुकी है। यह बात भाजपा वरिष्ठ नेता एवं जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य अरुण बड़ौक ने कही।

भाजपा की नीतियों से समाज का हर वर्ग खुश

अरुण बड़ौक ने कहा कि गोहाना विधानसभा को डॉ. अरविंद शर्मा के कैबिनेट मंत्री होने का भरपूर फायदा मिल रहा है। मंत्री अब तक गोहाना हलके के विकास के लिए करोड़ों रुपये की ग्रांट दिलवा चुके हैं। हाल ही में प्रदेश सरकार द्वारा हरियाणा ग्रामीण विकास योजना के तहत गोहाना हलके के 18 गांवों में विकासकार्यों के लिए 2 करोड़ 4 लाख 80 हजार रुपये की ग्रांट मंजूर की गई है जो क्षेत्र के लोगों को किसी तोहफे से कम नहीं है। इस राशि से गांवों में सडक़, पेयजल व्यवस्था, सिंचाई, बाढ़ प्रबंधन, चौपाल एवं गली निर्माण सहित अन्य विकासकार्यों का फायदा मिलेगा। भाजपा नेता अरुण बड़ौक ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में विकास को खूब रफ्तार मिली है। भाजपा की नीतियों से समाज का हर वर्ग खुश है।

प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करके जीवन खतरे में न डालें : सैनी

■ पृथ्वी परिभ्रमण दिवस पर पेड़-पौधों की निराई-गुड़ाई करके खाद व पानी डाला

गोहाना। पेड़-पौधों की सिंचाई करते हुए ट्रस्ट के प्रतिनिधि।

गोहाना। पानीपत रोड गोहाना स्थित राष्ट्रीय वैदिक परमार्थ ट्रस्ट द्वारा संचालित लावारिस पीड़ित गो माता गोशाला के प्रांगण में दिन-रात प्राण वायु देने वाले बरगद, पीपल और नीम के पौधे लगा रखे हैं। गुरुवार को पृथ्वी परिभ्रमण दिवस पर पेड़ों को इन पेड़-पौधों की निराई-गुड़ाई करके खाद व पानी डाला गया ताकि पौधे हरे-भरे रह सकें। मुख्य वक्ता ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर दास सैनी ने कहा कि प्रकृति ही हर जीव की पालक है। अगर हम इसके साथ छेड़छाड़ करेंगे तो यह विनाश भी कर देगी। पृथ्वी पर जीवन को खुशहाल रखने के लिए प्रकृति के साथ आगे बढ़ें। इसके साथ छेड़छाड़ करके पृथ्वी पर जीवन को खतरे में न डालें। पेड़-पौधे, जानवर और प्राकृतिक संसाधन हमारे अस्तित्व के लिए जरूरी हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट के सदस्य आजाद सिंह दांगी ने की। उन्होंने कहा कि प्रकृति को बचाना हम सब की जिम्मेदारी है। प्रकृति का संतुलन बिगडऩे से पृथ्वी पर जीवन खतरे में पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन और दिनोंदिन बढ़ता प्रदूषणा इसके गहरे संकेत हैं। प्रकृति का स्वास्थ्य ही हमारे स्वास्थ्य और भविष्य की गारंटी है। इस मौके पर हर भगवान चोपड़ा, डॉ. मनोज, राजू सैनी, दीपक शर्मा, रणवीर सांगवान, विजेंद्र व नीतीश कुमार ने पेड़-पौधों की देखभाल की।

अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक को न खोलें : बलवान

गोहाना। रेलवे स्टेशन पर जीआरपी द्वारा साइबर अपराध से बचाव को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जीआरपी चौकी के प्रभारी बलवान सिंह ने यात्रियों को साइबर ठगी के बढ़ते मामलों की जानकारी देते हुए उनसे सतर्क रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आनलाइन ठगी, फर्जी काल, लिंक के माध्यम से बैंक खाते खाली करने जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिनसे बचाव बेहद जरूरी है। बलवान सिंह ने यात्रियों को बताया कि किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक को न खोलें और ओटीपी, एटीएम पिन, बैंक खाता संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। कई बार ठग खुद को बैंक कर्मचारी, पुलिस अधिकारी या रेलवे कर्मचारी बताकर फोन करते हैं और डर या लालच देकर जानकारी हासिल कर लेते हैं। ऐसे मामलों में तुरंत सतर्क होकर काल काट दें। बलवान सिंह ने कहा कि जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे बड़ा हथियार है।

समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का संबंधित अधिकारी जल्द करें समाधान : एसडीएम

खरखौदा। समाधान शिविर में समस्याएं सुनते एसडीएम निर्मल नागर।

खरखौदा। एसडीएम डॉ. निर्मल नागर ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए की समाधान शिविर के दौरान प्राप्त शिकायतों के निवारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए। वीरवार को खरखौदा के लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर के दौरान कुल 10 शिकायतें प्राप्त हुईं। उपमंडल अधिकारी ने सभी शिकायतों के शीघ्र निवारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि समस्या के समाधान के पश्चात शिकायतकर्ता से उसकी संतुष्टि के बारे में अवश्य जानकारी ली जाए। समाधान शिविर आयोजित करने का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित करना है। एसडीएम नगर ने कहा कि जिस भी विभाग से संबंधित शिकायत प्राप्त होती है, उस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उसका समाधान किया जाता है। इस अवसर पर पुलिस, राजस्व, नगर निकाय, सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य, कृषि ,बिजली, पब्लिक हेल्थ व महिला बाल विकास विभाग,सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

एफएलएन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

गोहाना। खन्दराई गांव स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शैक्षणिक खंड मुंडलाना का दो दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में खंड मुंडलाना सहित अन्य क्षेत्रों के पीआरटी शिक्षकों ने भाग लिया। मार्गदर्शन खंड शिक्षा अधिकारी राजकुमार पंघाल का रहा। अध्यक्षता मेजबान विद्यालय के प्राचार्य लवल किशोर ने की। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन मास्टर ट्रेनर डॉ. रजनी, डॉ. सुशीला, जय प्रकाश और सुधीर ने किया। ट्रेनरों ने शिक्षकों को शिक्षण की प्रभावी रणनीतियों, अधिगम आकलन व पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों के लिए रेमेडियल शिक्षण की विधियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की मॉनिटरिंग जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान बीसवांमील से व्याख्याता सुशील कुमार ने की।

स्वर्णप्रस्थ स्कूल में क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन

राई। स्वर्णप्रस्थ पब्लिक स्कूल में सीबीएसई द्वारा निर्धारित क्षमता संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय इन हाउस कार्यशाला का आयोजन किया गया। एक्टिव लर्निंग पर आधारित यह कार्यशाला विशेष थी। विद्यालय सभागार में आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में रोहित पंडा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत वाणी की देवी सरस्वती की पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई। कार्यशाला में सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने और नित नए विकल्पों की तलाश और उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। एक शिक्षक के तौर पर हम सीखने की सक्रिय प्रक्रिया को आधार बनाकर शिक्षण कार्य को प्रभावी और रुचिकर बना सकते हैं। प्रशिक्षक ने प्रशिक्षण के दौरान विविध रोचक गतिविधियों के माध्यम से अपनी बात रखी। इस अवसर पर विद्यालय के मुख्याध्यापक एस.पी. सिंह, मुख्याध्यापिका मेघा कौशिक सहित विद्यालय के सभी अध्यापक-अध्यापिका उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ किया जागरूक

सोनीपत। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनीपत द्वारा वीरवार को बाल गृह किशोर विकास सदन, स्पेशल होम व कम्युनिटी सेंटर सेक्टर 15 में नशा-मुक्त हरियाणा मिशन के तहत एंटी-ड्रग जागरूकता एवं रोकथाम अभियान के तहत सिविल अस्पताल, सोनीपत के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पैनल अधिवक्ता विक्रम सैनी ने बाल गृह किशोर विकास सदन व स्पेशल होम में तथा पैनल अधिवक्ता विकास सैनी ने कम्युनिटी सेंटर सेक्टर 15 में उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों, नशा-निवारण के उपायों, परिवार एवं समाज पर नशे के गंभीर प्रभावों तथा नशा-मुक्त हरियाणा मिशन के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों व उपस्थित जनसमूह को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान सिविल अस्पताल से डॉ. सीमा सिंह ने उपस्थित जनसमूह को विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थों, उनके दुष्परिणामों तथा नशा मुक्ति के लिए उपलब्ध उपचार एवं परामर्श सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

समाधान शिविर के मिल रहे सकारात्मक परिणाम

गोहाना। एसडीएम अंजलि ने कहा कि लोगों को समाधान शिविर के सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। शिविर में आने वाली शिकायतों का अधिकारियों द्वारा आपसी समन्वय बनाकर प्राथमिक आधार पर निवारण करवाने का प्रयास किया जाता है। आईएएस अंजलि श्रोत्रिय ने कहा कि समाधान शिविर में आमजन मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना, मेरी फसल मेरा ब्यौरा, राशन कार्ड, परिवार पहचान पत्र में आय संशोधन, वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, बिजली बिल, पेयजल, दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना, सुकन्या समृद्धि योजना व दयालु योजना आदि समस्याओं को लेकर निराकरण के लिए आते हैं। शिविर में लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान कर दिया जाता है। जिन शिकायतों का समाधान मौके पर नहीं हो पाता है उनको भी सीमित समय में हल करने का प्रयास किया जाता है। इस मौके पर रीडर सुभाष कुमार, एएफएसओ राजेश हुड्डा, मार्किट कमेटी सचिव सुरेश कुमार, एआर प्रशांत कुमार व यूएचबीएएन जेई राहुल कुमार के साथ अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सात दिवसीय सेवा योजना शिविर का समापन

गन्नौर। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर सात दिवसीय का वीरवार को समापन हुआ। शिविर के अंतिम दिन स्वास्थ्य, संस्कृति और अनुभवों के आदान-प्रदान पर केंद्रित विविध कार्यक्रम आयोजित किए। प्रातःकालीन सत्र में आयुष विभाग के सहयोग से कराई गई योग एवं आयुर्वेद गतिविधियों से हुई। योग सहायक धीरज कुमार के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने विभिन्न योगासन व शारीरिक व्यायाम किए। इसके बाद आयुष विभाग के डॉ. दिनेश दत्त, डॉ. अनीता, डॉ. सीमा, योग सहायक पूजा एवं धीरज कुमार ने विद्यार्थियों को आयुर्वेद व प्राकृतिक जीवनशैली के महत्व से अवगत कराया। द्वितीय सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नगरपालिका पार्षद संगीता त्यागी एवं समाजसेवी हरविंदर त्यागी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, हरियाणवी नृत्य, कविता पाठ और शिविर के अनुभव साझा कर समा बांध दिया। खुशी, दीप्ति, रिया, प्रिया और अक्षिता की प्रस्तुतियों को विशेष सराहना मिली। विद्यालय के उप-प्रधानाचार्य डॉ. राजेश शर्मा, डॉ. गुलशन, डॉ. राकेश जैन, सुनीता एवं सतीश ने शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अक्षय, खुशी को बेस्ट वॉलंटियर सम्मानित किया।

सूर्यनमस्कार जैसे व्यायाम से बलिष्ठ, बलवान बनता है शरीर

विद्यार्थियों के समग्र स्वास्थ्य में सहायक है योग

■ विद्यार्थियों को त्रिकोणासन, ताड़ासन, पादहस्तासन, वृक्षासन, भस्त्रिका, कपालभाति, अनुलोमविलोम, भ्रामरी आदि प्राणायामों के लाभ बताते हुए उनका अभ्यास करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। शिविर के दौरान योगाभ्यास करते हुए साधक। फोटो : हरिभूमि

भारत स्वाभिमान ट्रस्ट व पतंजलि योग समिति सोनीपत के द्वारा मिशन फिट सोनीपत के तहत सिटी के विभिन्न विद्यालयों में संगठन के योग शिक्षकों द्वारा योगाभ्यास करवाया गया। हिंदू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को योगाभ्यास करवाते हुए भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी सूर्यनमस्कार के वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर इंजीनियर लक्ष्मीनारायण ने बताया कि विद्यार्थियों के समग्र स्वास्थ्य के लिए योगाभ्यास अति आवश्यक है, जहां सूर्यनमस्कार जैसे व्यायाम से उनका शरीर बलिष्ठ, बलवान बनता है वहीं प्राणायाम के द्वारा उनके मानसिक व आध्यात्मिक संतुलन के साथ साथ उनका प्राण प्रवाह बेहतर बनता है। प्राणायाम जागरूकता विकसित करने, तनाव के स्तर को कम करने और संज्ञानात्मक क्षमताओं को बेहतर बनाने में सहायक है क्योंकि यह मन और श्वांसों के बीच एक मजबूत बंधन बनाता है। योग के अनेकों लाभ हैं, संक्षेप में हम केवल इतना कह सकते हैं कि योग का परिणाम एक चमत्कार है जिसे परमात्मा ने मानव बंधुता बढ़ाने, शारीरिक फिटनेस बनाने, तनाव को कम करने, भावनाओं और नकारात्मक विचारों को नियंत्रित करने, आत्म समझ को बढ़ाने, प्रकृति से जुड़ने में बहुत सहायता मिलती है। भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिले के सहप्रभारी योग शिक्षक रविंद्र त्यागी ने उपस्थित विद्यार्थियों को त्रिकोणासन, ताड़ासन, पादहस्तासन, वृक्षासन, भस्त्रिका, कपालभाति, अनुलोमविलोम, भ्रामरी आदि प्राणायामों के लाभ बताते हुए उनका अभ्यास करवाया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी राजीव कुमार भी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

नेताजी जयंती समारोह का दिया निमंत्रण

सोनीपत। नेताजी सुभाष चंद्र बोस श्रद्धांजलि समारोह समिति के सदस्यों ने वीरवार को उपायुक्त सुशील सारवान से मुलाकात कर कार्यक्रम का न्यौता दिया। इस दौरान समिति सदस्यों ने बताया कि 23 जनवरी को स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती है। नेताजी की जयंती के मौके पर गांव जाट जोशी में मदनलाल ढींगड़ा सामुदायिक केंद्र में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया जाएगा।

कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीन अभियान शुरू

सोनीपत। आज के समय में महिलाओं में बच्चेदानी (सर्वाइकल) कैंसर की समस्या तेजी से बढ़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार इस गंभीर बीमारी से बचाव के लिए ह्यूमन पैपिलोमा वायरस वैक्सीन अत्यंत प्रभावी मानी जाती है। इसको ध्यान में रखते हुए सेफ इंडिया फाउंडेशन ने डॉ. अमित राय के सहयोग से एक विशेष अभियान शुरू किया।

मिगलानी कालोनी में गली निर्माण कार्य का शिलान्यास

गोहाना। शहर के वार्ड नंबर-10 की मिगलानी कालोनी में गुरुवार को नगर परिषद की चेयरपर्सन रजनी विरमानी द्वारा एक नई गली के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस विकास परियोजना के अंतर्गत गली को पक्का किया जाएगा तथा पानी की निकासी के लिए दोनों ओर पाइपलाइन डाली जाएगी।

कायाकल्प की टीम ने सुविधाओं को परखा, जताई नाराजगी

नागरिक अस्पताल बेहाल : बाल रोग वार्ड में बंद मिले हीटर, एक साथ मिले 5 डस्टबिन

1. पलवल से पहुंची तीन सदस्यीय टीम, बाल रोग वार्ड, सर्जिकल वार्ड, ओटी कॉम्पलैक्स का लिया जायजा
2. अस्पताल परिसर में चल रही गोविंद रसोई में खाने की व्यवस्था की जांच
3. कायाकल्प योजना में इलाज सुविधाएं, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टाफ, मरीजों की संख्या के आधार पर तय जाती है रैंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कायाकल्प की क्वालिटी असेस्मेंट टीम ने वीरवार को नागरिक अस्पताल का करीब 4 घंटे तक औचक निरीक्षण किया। 3 सदस्यीय टीम ने अस्पताल परिसर में स्वच्छता, सफाई व्यवस्था व स्वास्थ्य सुविधाओं को परखा। पलवल से पहुंची कायाकल्प टीम में डॉ. दुष्यंत, डॉ. राखी व डॉ. नरसिंह शामिल रहे। उन्होंने अस्पताल के सभी वार्डों का निरीक्षण कर मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं व दवा पर जानकारी हासिल की। यहां मौजूद कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। टीम के निरीक्षण के चलते अस्पताल प्रबंधन व कर्मचारी अलर्ट मोड़ पर नजर आए। सभी वार्ड में सुबह से ही सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करवाया गया था। अन्य दिनों की अपेक्षा अस्पताल में कार्यरत कर्मी पूरी वर्दी में नजर आए।

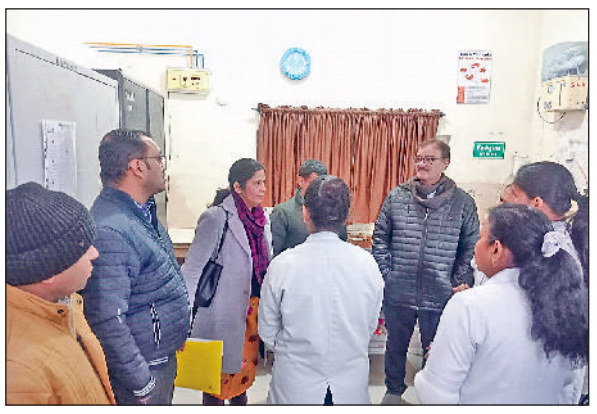

सोनीपत। सोनीपत के दिल्ली रोड स्थित नागरिक अस्पताल में निरीक्षण के दौरान स्टाफ कर्मियों से जानकारी लेते कायाकल्प की टीम के सदस्य।

साफ-सफाई का भी लिया जायजा

टीम सबसे पहले अस्पताल परिसर के बाल रोग वार्ड पहुंची, यहां बंद मिले हीटर व वार्ड के पास बाहर एक साथ रखे 5 डस्टबिन को लेकर नाराजगी जताई। इसके बाद टीम ने बारी-बारी सर्जिकल वार्ड, ऑपरेशन थियेटर कॉम्पलैक्स, लैब, फार्मेसी का भी निरीक्षण किया। साथ ही मरीजों से उपचार संबंधी जानकारी ली। इससे पहले अस्पताल परिसर में चल रही गोविंद रसोई का निरीक्षण कर टीम ने खाने की व्यवस्था व स्वच्छता को भी परखा। साथ ही अस्पताल की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया, शौचालयों में जाकर भी व्यवस्थाओं को जांचा।

फार्मेसी में दवा संबंधी जानकारी जुटाई

इस दौरान टीम ने अस्पताल में चिकित्सकों की ओर से की जा रही रोगियों की देखभाल की व्यवस्थाओं को भी जांचा। फार्मेसी में दवा संबंधी जानकारी जुटाई। अल्ट्रासाउंड वार्ड, ओपीडी का निरीक्षण चल रहे कार्यों को बारिकी से परखा। यहां पर यह भी देखा गया कि मरीजों को पर्ची बनवाने के लिए अस्पताल प्रबंधन की ओर से किस प्रकार की व्यवस्थाएं की गई है।

कायाकल्प योजना का उद्देश्य

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में स्वच्छता, स्वास्थ्य के साथ साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए 15 मई 2015 को राष्ट्रीय पहल कायाकल्प की शुरुआत की थी। कायाकल्प योजना में उपचार सुविधाएं, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टाफ, मरीज की संख्या के आधार पर रैंकिंग तय की जाती है। इसके अलावा वेंटीलेटर, प्रति बेड डॉक्टर, नर्स की संख्या, ऑपरेशन थियेटर में औजार, एयर फिल्टर, संक्रमण से बचाव, ऑपरेशन में प्रोटोकाल का पालन, मरीज को कितने समय में इलाज मिला, इन व्यवस्थाओं को परखा जाता है।

रिपोर्ट जल्द मुख्यालय को सौंपी जाएगी

निरीक्षण के दौरान कई व्यवस्थाओं को जांचा गया है। इसकी रिपोर्ट जल्द मुख्यालय को सौंप दी जाएगी। निरीक्षण के दौरान टीम ने कुछ खामियों पर जहां नाराजगी जताई, वहीं कई व्यवस्थाओं की सराहना भी की।

डॉ. दुष्यंत, सदस्य, कायाकल्प टीम।

बरोदा हलका के 10 गांवों में लगेंगे डीप ट्यूबवेल, बिछेंगी पेयजल पाइपलाइन

पेयजल के लिए 20 करोड़ 68 लाख रुपये को मिली स्वीकृति : इंदुराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

बरोदा हलका के विधायक इंदुराज नरवाल ने कहा कि क्षेत्र के दस गांवों में पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए 20 करोड़ 68 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि ने गांवों में पेयजल के डीप ट्यूबवेल लगाए जाएंगे, पाइपलाइन बिछाई जाएंगी, जल घरों की मरम्मत होगी, बूस्टिंग स्टेशन बनेंगे और जल घरों में टैंकों का निर्माण होगा। विधायक इंदुराज नरवाल ने कहा कि बरोदा हलका क्षेत्र के कई गांवों में पेयजल समस्या बनी हुई थी। समस्या के समाधान के लिए उनके द्वारा कई बार विधानसभा में मांग उठाई गई। इसके बाद अब पेयजल विकास कार्यों के लिए उक्त राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा स्वीकृत पेयजल विकास कार्यों में गांव आहुलाना में 12.59 लाख रुपये की लागत से एक डीप ट्यूबवेल, गांव कटवाल, आंवली और बिलबिलान में जेएलएन नहर पर पम्प हाउस का निर्माण एवं तीनों जलघरों तक पाइपलाइन दबाई जाएगी। गांव कटवाल में 83 लाख रुपये की लागत से जल घर की मरम्मत एवं पाइपलाइन दबाई जाएगी। गांव खानपुर खुर्द में 4.16 लाख रुपये की लागत से डीप ट्यूबवेल और गांव मदीना में 5.35 लाख रुपये की लागत से डीप ट्यूबवेल लगाए जाएंगे। गांव रिंढाणा और धनाना में 3 करोड़ 82 लाख रुपये की लागत से जल घर की मरम्मत होगी और पेयजल पाइपलाइन बिछाई जाएगी।

इंदुराज नरवाल।

जनता विद्या भवन में बना परीक्षा केंद्र

गोहाना। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने 2018 में गांव बुटाना स्थित जनता शिक्षण संस्थान में पुरानी प्रबंधन समिति के समय परीक्षा केंद्र रद कर दिया था। नई प्रबंधन समिति बनने के बाद यहां पर शिक्षा के साथ साथ खेलो को बढ़ावा दिया गया। संस्थान के अध्यक्ष अजीत सांगवान ने बताया कि बोर्ड ने यहां पर दोबारा परीक्षा केंद्र बना दिया है। इसके लिए संस्थान के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, हरियाणा बोर्ड के चेयरमैन प्रो. पवन कुमार शर्मा एवं बरोदा हलका के भाजपा के पूर्व प्रत्याशी प्रदीप सांगवान का आभार व्यक्त किया। अब आसपास के गांवों के विद्यार्थी यहां पर परीक्षा दे सकेंगे।

वार्ड 15 में विकास कार्यों का नपाध्यक्ष ने लिया जायजा

गली निर्माण में घटिया सामग्री पर रखी जाए निगरानी : त्यागी

निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोग भी मौजूद रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

नगरपालिका गन्नौर के अध्यक्ष अरुण त्यागी ने वार्ड 15 में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों एवं गली निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का बारीकी से जायजा लिया। नगरपालिका अध्यक्ष ने मौके पर मौजूद ठेकेदार को सख्त निर्देश दिए कि गली निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का उद्देश्य जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा कार्य

लापरवाही या घटिया सामग्री का प्रयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा। अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यों की नियमित निगरानी की जाए, ताकि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप और समयबद्ध तरीके से पूरे हों। वार्ड की पार्षद शिवानी गौरव जैन एवं पार्षद प्रतिनिधि गौरव जैन ने बताया कि वार्ड में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोग भी मौजूद रहे।

गन्नौर। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला सहसंयोजक गौरव जैन को मिठाई खिलाते व्यापार मंडल के पदाधिकारी।

गौरव बने भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला सहसंयोजक

गन्नौर। भाजपा द्वारा गौरव जैन को भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ का जिला सहसंयोजक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर व्यापार मंडल गन्नौर के कार्यकारी अध्यक्ष संदीप सिंघल व महासचिव राजकुमार गुप्ता सहित सभी पदाधिकारियों ने मिठाई खिला कर उन्हें बधाई दी। व्यापार मंडल गन्नौर के कार्यकारी अध्यक्ष संदीप सिंघल ने कहा कि गौरव जैन ने अपने पिता व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष स्व. शेखर चंद जैन के संरक्षण में पिछले कई वर्षों से व्यापारियों की समस्याओं की आवाज उठाते आए हैं। उन्हें पूरा भरोसा है कि गौरव जैन व्यापारियों के हितों में निरंतर कार्य करते रहेंगे। गौरव जैन ने अपनी नियुक्ति पर मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली, पूर्व सासंद रमेश कौशिक, पूर्व विधायक निर्मल चौधरी, जिलाध्यक्ष अशोक भारद्वाज, जिला व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय सिंघला का आभार जताया।

विधिवत मंत्रोच्चार एवं यज्ञ अनुष्ठान के साथ होगा आरंभ

आध्यात्मिक महायज्ञ महोत्सव 11 को ऊर्जा और शांति की होगी अनुभूति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

भव्य आध्यात्मिक मंगलमय महायज्ञ अनुष्ठान महोत्सव का आयोजन सोनीपत के प्रेमसुख गांव मोहम्मदाबाद में भगवान प्रेमसुख मंदिर में आगामी 11 जनवरी रविवार को किया जाएगा। भक्त संजय जैन चिल्ली ने बताया कि यह महोत्सव पुरुषादानी प्रभु पारसनाथ जन्म कल्याणक, माता पद्मावती प्रतिमा स्थापना, गुरु भागमल प्रतिमा स्थापना एवं गुरुदेव प्रेमसुख महाराज की जन्मजयंती के पावन उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में विधिवत मंत्रोच्चार एवं यज्ञ अनुष्ठान के साथ आरंभ होगा। आयोजन में देशभर से अनेक संत-महात्मा, मुनिराज, साध्वीजी एवं धर्माचार्य पावन सान्निध्य प्रदान करेंगे। महायज्ञ के दौरान आध्यात्मिक प्रवचन, मंगल दर्शन, दिव्य आशीर्वचन, आराधना एवं धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा और शांति की अनुभूति होगी।

संजय जैन

संत-महात्मा व गणमान्य अतिथि होंगे शामिल

संजय जैन ने बताया कि महापंजाय प्रवर्तक, बाल ब्रह्मचारी दादा गुरुदेव स्वामी भागमल महाराज, दादा गुरुदेव फूलचंद महाराज, अर्थशतावधानी पंडितरत्न पूज्य तिलोकचंद महाराज, जिनशासन की शान प्रेमसुख महाराज तथा वर्तमान संनिधि आचार्य सम्राट पूज्य शिवमुणि महाराज सहित अनेक संत-मुनि उपस्थित रहेंगे। इनके साथ राष्ट्ररत्न, प्रज्ञा महर्षि उपेन्द्र मुनि महाराज, रविन्द्र मुनि महाराज, विशाल मुनि महाराज सहित बड़ी संख्या में मुनिराजों का सान्निध्य श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा।

कांग्रेस वीबी-जी रामजी योजना को लेकर जानबूझकर फैला रही भ्रम : कौशिक

गन्नौर। भाजपा नेता देवेन्द्र कौशिक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी रामजी योजना को लेकर जानबूझकर भ्रम और दुष्प्रचार फैला रही हैं। जबकि यह योजना श्रमिकों के कल्याण और गांवों के समग्र विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम है। कौशिक वीरवार को मार्किट कमेटी रेस्ट हाऊस में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व भाजपा नेता देवेन्द्र का मार्किट कमेटी में पहुंचने पर चेयरमैन निशांत छौक्कर, नगरपालिका चेयरमैन अरूण त्यागी, सीएम विंडों के एमीनेंट प्रश्र विद्या भूषण हसीजा आदि मंडलध्यक्षों ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। कौशिक ने कहा कि यूपीए शासनकाल में मनरेगा का उद्देश्य टिकाऊ और स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण न होकर केवल खानापूर्ति तक सीमित रह गया था। उस दौर में यह योजना भ्रष्टाचार, फर्जी परियोजनाओं और धन की लूट का माध्यम बन गई थी। देवेन्द्र कौशिक ने कहा कि बीते एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल कनेक्टिविटी, बैंकिंग सेवाएं, डीबीटी, आधार लिंकिंग और बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व सुधार हुआ है, जिससे योजनाओं का लाभ सीधे वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंच रहा है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

रेनीवेल के पानी के टैंक निर्माण को लेकर किया निरीक्षण

पेयजल व्यवस्था को मजबूती देने पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एसएमडी मुख्य अभियंता राजीव गुप्ता, एक्सईएन आलोक सिंह, एसडीओ अंकित दहिया एवं जेई रवि कुमार के साथ नगर निगम के एक्सईएन विशाल गर्ग और जेई सचिन राठी ने पुनीत राई के साथ मिलकर रेनीवेल के पानी के टैंक निर्माण के लिए प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्थल की भौगोलिक स्थिति, जल आपूर्ति नेटवर्क से कनेक्टिविटी, सुरक्षा मानकों और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विस्तृत चर्चा की। टीम ने जांचा कि प्रस्तावित टैंक से आसपास के शहरी व ग्रामीण इलाकों को पर्याप्त और नियमित पेयजल आपूर्ति हो सके। अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना क्षेत्र में बढ़ती आबादी और जल मांग को देखते हुए अत्यंत आवश्यक है। निरीक्षण के अवसर पर संबंधित बिजली विभाग, नेशनल हाईवे प्राधिकरण तथा अन्य संबद्ध विभागों से आवश्यक एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) और कनेक्शन प्राप्त करने को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। कहा कि सभी विभागों के साथ समन्वय बनाकर प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाएगा, ताकि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो। मुख्य अभियंता राजीव गुप्ता ने ठेकेदार को आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कर कार्य जल्द शुरू करने के निर्देश दिए।

राई। टैंक निर्माण को लेकर निरीक्षण करते एसएमडी के अधिकारी, साथ में निगम पार्षद पुनीत राई।

सोनीपत। प्रदर्शनकारी कर्मचारी मेयर राजीव जैन को ज्ञापन सौंपते हुए।

कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

सोनीपत। केंद्रीय सहकारी बैंकों में कार्यरत 2200 कर्मचारियों को हरियाणा कोंट्राक्टुअल एम्प्लाइज सिक्योरिटी सर्विसेज एक्ट 17 का लाभ ना मिलने से गुस्साए कर्मचारियों ने शहर में प्रदर्शन किया और नगर निगम मेयर राजीव जैन को ज्ञापन सौंपकर उनकी व्यथा सरकार तक पहुंचाने की अपील की। मेयर जैन ने आश्वासन दिया कि वह मुख्यमंत्री से बात कर समस्या का समाधान करवाएंगे। वित्तीय संस्थान ठेका कर्मचारी भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले केंद्रीय सहकारी बैंक मिशन रोड पर एकत्रित होकर झंडे एवं बैनर लिए इंसाफ की गुहार लगाते हुए जुलूस की शक्ल में उपायुक्त कार्यालय पंहुचे। ज्ञापन में कहा गया है कि सभी विभागों में उक्त आदेश लागू कर दिए हैं परन्तु केंद्रीय सहकारी बैंकों में 2200 कर्मचारी, क्लर्क, दफ्तरी, सेवादार एवं सुरक्षा कर्मी के पद पर कार्यरत जोकि पिछले 10 - 12 वर्षों से इन सहकारी बैंकों में एचकेआरएनएल के माध्यम से सेवा दे रहे हैं को इस सुविधा से वंचित रखा गया है। इसलिए जल्द ही इस सम्बन्ध में आदेश जारी किये जाएं। ज्ञापन देने वालों में प्रधान तेजवीर सिंह, संदीप चौहान, वीरेंद्र, पवन मलिक, सुशील, सुमित राठी, सतेंद्र, जगदीश, रवि कुमार, गोवर्धन दास, राजेश कुमार, वीर सिंह, सुरेंद्र आदि शामिल रहे।

खरखौदा क्षेत्र से हटाए अवैध कब्जे

खरखौदा। जिला नगर योजनाकार द्वारा खरखौदा की सीमा में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों के खिलाफ वीरवार को सख्त कार्रवाई की गई। जिला नगर योजनाकार की इन्फोर्समेंट टीम द्वारा खरखौदा बाईपास पर आईटीआई चौक के निकट लगभग 6 एकड़, सांपला–खरखौदा रोड पर प्रताप डेयरी के पास लगभग 4 एकड़ तथा सोनीपत–खरखौदा बाईपास पर लगभग 5.5 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। इन क्षेत्रों में एक निर्माणाधीन व्यावसायिक ढांचा, चार चारदीवारियां, नौ डी.पी.सी. तथा कच्चा सड़क नेटवर्क बनाकर अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। जिला प्रशासन के सहयोग से इन सभी अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया गया।

मौसम का मिजाज | 5 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चली हवाओं ने धूप की तपिश को किया कम

जगदीशपुर और सरगथल में रिकॉर्ड ठंड, ठिठुरन से बचने के लिए अलाव का सहारा

सर्दी का कहर: ठंडी हवाओं ने बिगाड़ा जनजीवन अभी राहत के आसार नहीं, किसानों की बढ़ रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिले में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। वीरवार को जिले के विभिन्न हिस्सों में कोल्ड डे की स्थिति बनी रही। हालांकि सुबह करीब 11 बजे आसमान से बादलों की परत हटने के बाद सूर्य देव के दर्शन हुए लेकिन ठंडी उत्तर पश्चिमी हवाओं के कारण धूप का असर बेअसर साबित हुआ। लोग दिन भर गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आए और ठिठुरन से बचने के लिए अलाव का सहारा लेते दिखे। सोनीपत के सरगथल और जगदीशपुर मौसम केंद्रों से मिले आंकड़ों के अनुसार तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है।

न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़का

जगदीशपुर केंद्र में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया जिससे रातें और सुबह का समय अत्यधिक ठंडा हो गया है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में यदि हवा की गति बढ़ती है तो गलन और अधिक बढ़ सकती है। गुरुवार को जिले के अलग अलग केंद्रों पर तापमान में भिन्नता देखी गई। जगदीशपुर में मौसम सबसे अधिक सर्द रहा जहां अधिकतम तापमान केवल 13.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस रहा। दूसरी ओर सरगथल केंद्र में न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री और अधिकतम तापमान 15.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इन दोनों क्षेत्रों में तापमान सामान्य से नीचे रहने के कारण कोल्ड डे की स्थिति बनी रही। दिन के समय करीब 5 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चली ठंडी हवाओं ने धूप की तपिश को महसूस नहीं होने दिया। खुले क्षेत्रों और खेतों में काम करने वाले किसानों को इस ठिठुरन भरी हवा के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

ट्रेनों की रफ्तार पर असर, नमालवा व ऊंचाहार एक्सप्रेस 4 घंटे लेट

सोनीपत। दिल्ली-अंबाला रूट पर कोहरे के अलावा पंजाब व गाजियाबाद में इंटरलॉकिंग कार्यों के चलते वीरवार को दर्जनभर एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन देरी से हुआ। लंबी दूरी की एक्सप्रेस, सुपरफास्ट ट्रेनों के देरी से आने के कारण सवारी गाड़ियों का परिचालन भी प्रभावित हो रहा है। ऐसे में यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। दिल्ली-अंबाला रूट पर चलने वाली नेताजी एक्सप्रेस 4:53 घंटे, मालवा एक्सप्रेस 4:04 घंटे 64465 सवारी गाड़ी 1:20 घंटे, 64451 सवारी गाड़ी 1:12 घंटे की देरी से सोनीपत पहुंची। वहीं अंबाला-दिल्ली रूट पर चलने वाली नेताजी एक्सप्रेस 4:08 घंटे, गीता जयंती एक्सप्रेस 1:12 घंटे, दादर एक्सप्रेस 1:18 घंटे, शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस 1:37 घंटे, 64464 सवारी गाड़ी 1:31 घंटे, 64454 सवारी गाड़ी 2:01 घंटे की देरी से सोनीपत पहुंची।